

डोगरी भाशा की वर्णमाला च 44 वर्ण न, जिन्हे च 10 (दस) स्वर वर्ण न ते 34 (चौती) व्यंजन वर्ण ।

स्वर :- ओह वर्ण होंदे न जिन्दा उच्चारण पूरी सुतैकरता कच्चे होंदा ऐ ते जिन्हे बोलने च कोई रोक - रुकावट नई होंदी ऐ ।

स्वर वर्ण

10

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ ते औ

व्यंजन :- व्यंजन ओह वर्ण न जिन्दा उच्चारण स्वरे की सहायता दे बगैर नई होई सकदा ।

व्यंजने की कुल संख्या 34 ऐ पर इन्हे च 6

वर्ण यानी घ, झ, ढ, ब, ज ते ढ लिपि च शामिल जरूर

न पर इन्दा उच्चारण इन्हे मूल सुआत्म आहला नई होई

बक्ख - बक्ख परिवेशे च बक्ख - बक्ख चाली दे सुरे

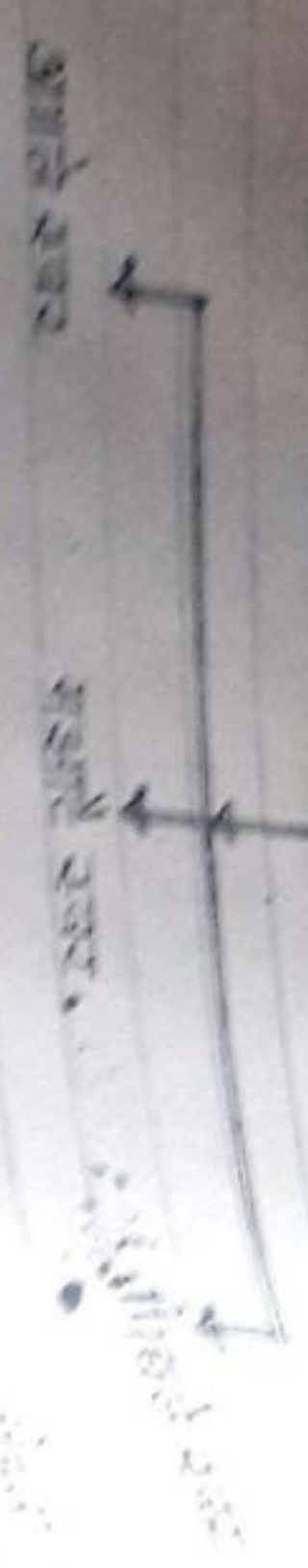
च बदलौई जंदा ऐ । इस करिये मूल व्यंजन वर्ण

28 गै न ।

व्यंजन वर्ण

क, ख, ग, ड ; च, छ, ज, झ ; ट, ठ, ड, ण

3) जीविका के विषय के आधार पर



क) आवकत प्रकार :- मुख्य रूप से उच्च-मध्यम वर्ग के लोगों को

रबर आर्थोका जंगल है। शोरी न्य इ. इ. र

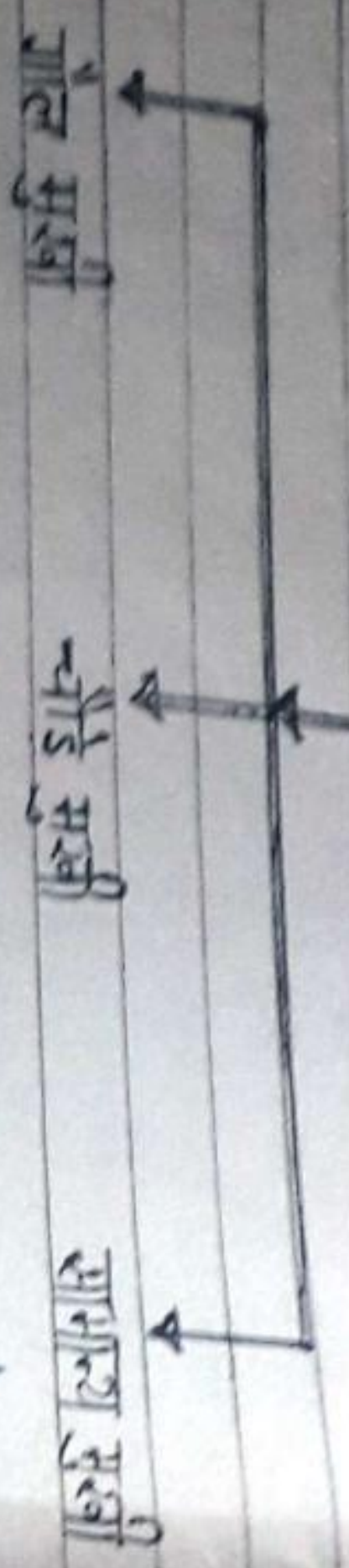
क) भारतीय रबर :- विदेशी रबर के उत्पादन न्य

भारतीय रबर आर्थोका जंगल है। शोरी न्य

विदेशी रबर :- विदेशी जीविका का विदेशी विदेशी

ये न्य उच्च रबर आपु न्यकोइके रबर शोरी जंगल है।
आ. उ. क. ओ. ओ विदेशी रबर न्य

4 -> ओड की स्थिति के आधार पर



क) गौल मुखी :- विदेशी रबर के उत्पादन न्य ओड

न. उच्च गौल मुखी रबर आर्थोका जंगल है। उ, क, ओ, ओ गौल मुखी रबर न्य

ANS 2001

01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----

2001 रबर - चीडे मुखी :- विदेशी रबर के उत्पादन न्य ओड की स्थिति न्योकी क्षेत्री 20

ये उच्च गौल मुखी रबर आर्थोका जंगल है। इ. इ. ए. ए. ये गौल मुखी रबर न्य

ग) साभान्य मुखी :- आ. आ रबर के उत्पादन न्य ओड की स्थिति न्योकी क्षेत्री 20

5 -> भारत के आधार पर



क) एथन रबर :- विदेशी रबर के उत्पादन न्य ओड की स्थिति न्योकी क्षेत्री 20

रबर आर्थोका जंगल है। आ. इ. उ एथन रबर न्य

ख) वीर्य रबर :- शोरी न्य आ. ई. क. ए. ए. ओ. ओ

वीर्य रबर न्य कीडे इन्डे उत्पादन न्य पुना वनत लया है।

ग) एथन रबर :- इथा न्य रबर न्य शोरी न्य ओड की स्थिति न्योकी क्षेत्री 20

स्थिति न्य आ. ई. क. ओ ओ आधी केडे वारी कीनी न्य साभा केडे वली-डे न्य इथा न्य विरगत कुडी न्य एथीने आरुते इथा न्य लिरवका जंगल है

ओड, ईड, ऊड न्य ओड

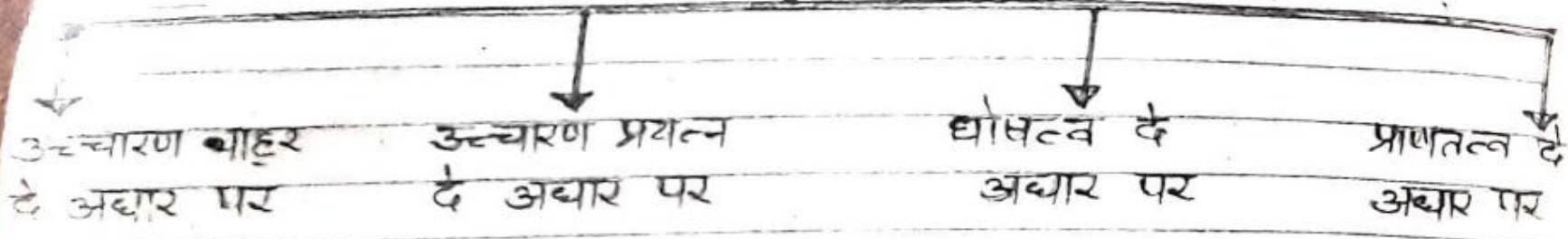
ANS 2001

01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----

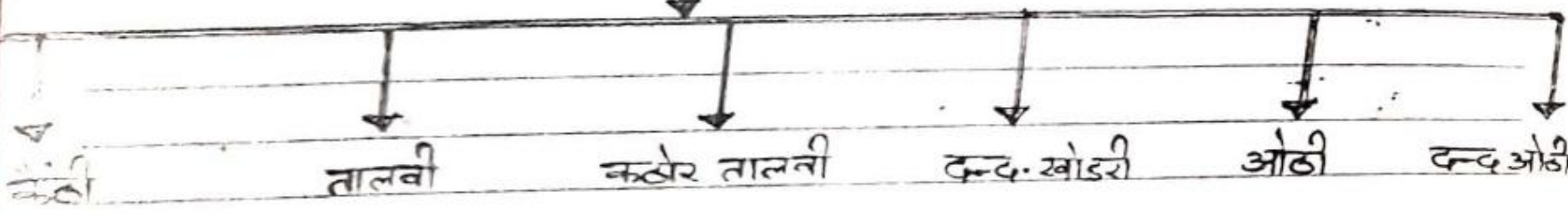
व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण :-

(88)

JUL • 2001



1) उच्चारण बाह्य के आधार पर :-



24 क) कैंठी :- जिसे व्यंजन में जी बोलने लेई जीहवा का मूल मुण्ड जो पिछला हिस्सा पिछले कोमल तालु का स्पर्श करता है, उसे व्यंजन में कैंठी व्यंजन गलाया जाता है। डोगरी में क, ख, ग, घ तै इ व्यंजन कैंठी व्यंजन न।

ख) तालवी :- इसे व्यंजन में के उच्चारण में जीहवा का अगला हिस्सा तालु के अगले हिस्से में छूटता है। डोगरी में च, छ, ज (झ) ञ, श तै य व्यंजन तालवी व्यंजन न।

ग) कठोर-तालवी :- जिसे व्यंजन में के उच्चारण में जीहवा का मझाला हिस्सा कठोर शक्ती सहित ते इहंगे उच्चे तालु का स्पर्श करता है उनेगी हिन्दी वगैरे में, मुख्य व्यंजन गलाया जाता है ते डोगरी में उरगी कठोर तालवी की आनखी यन्त्रेण। ट, ठ, ड (ढ) ङ (ङ) तै ण व्यंजन कठोर तालवी न।

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa	Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
21	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28
29	30	31											

(89)

दन्त-खोडरी :- जिसे व्यंजन में के उच्चारण में जीहवा की अगली नखर

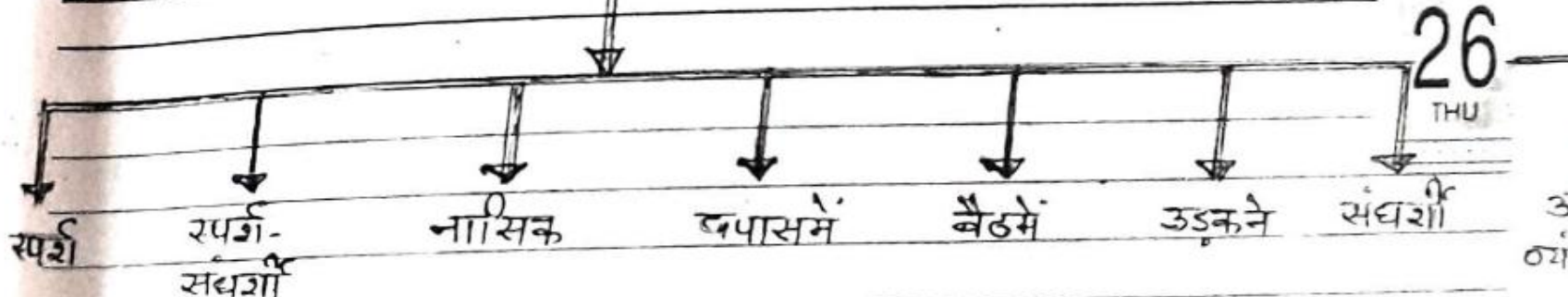
25 WED

अपारले दन्त के खोडरी कन्ने स्पर्श करती है उनेगी दन्त-खोडरी व्यंजन गलाया जाता है। डोगरी में त, थ, द, (ध) न, ल, र तै स व्यंजन इस लसती न ओठे, डोगरी में प, फ, ब (भ) तै स ओठी व्यंजन न।

ड) ओठी :- जिसे व्यंजन में के उच्चारण ओठे भाग होना है, उनेगी ओठी व्यंजन आनखा जाता है। डोगरी में प, फ, ब (भ) तै स ओठी व्यंजन न।

च) दन्त-ओठी :- जिसे व्यंजन में के उच्चारण में अपारले दन्त के खलक ओठ कन्ने करके न उनेगी दन्त-ओठी व्यंजन गलाया जाता है। डोगरी में व वगैरे दन्त-ओठी है।

2) उच्चारण प्रयत्न के आधार पर :-



क) स्पर्श :- जिसे व्यंजन में के उच्चारण में बोलने आहले कुं के अंग का स्पर्श होता है अर्थात् आंगु चें जुडके न उनेगी स्पर्श व्यंजन गलाया जाता है। डोगरी में क, ख, ग, घ; ट, ठ, ड (ढ); त, थ, द (ध); प, फ, ब (भ) व्यंजन स्पर्श व्यंजन न।

ख) स्पर्श-संधर्षी :- जिसे व्यंजन में के उच्चारण में कुं के वाक-अंग न बिन्दे सारा स्पर्श ते पही बाद न दोए आंग इने कोल कोल होई जन्के न ते लहाऊ गी संधर्षी करिये निवलने का शरता बनाना

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa	Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28
29	30	31											

